

एशियाई शेरों की दहाड़ से गूँजता वन क्षेत्र

एशियाई शेरों की दहाड़ से गूंजते हुए गीर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य में आपका हार्दिक स्वागत है। भारत के अर्ध-शुष्क पश्चिमी क्षेत्र में स्थित गीर, गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में शुष्क पर्णपाती वनों का सबसे बड़ा क्षेत्र है। गीर देश के सबसे पुराने संरक्षित क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है, जो लुप्तप्राय और संकटग्रस्त प्रजातियों सहित कई वन्यजीव और वनस्पति की प्रजातियों को आश्रय देता है। गीर प्राकृतिक अवस्था में विचरण करते एशियाई शेरों के एकमात्र निवास स्थान के रूप में विश्व प्रसिद्ध है।



संरक्षण की सफलता

गीर, सफल संरक्षण प्रयासों का सर्वोत्तम उदाहरण है। बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके एशियाई शेरों की संख्या, गुजरात वन विभाग और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों के कारण उल्लेखनीय रूप से बढी है। गीर की पहाडियाँ और घुमावदार नदियाँ एक अकल्पनीय और यादगार सुरम्य प्राकृतिक दृश्य बनाती हैं और प्रकृति की सुंदर रचना का उदाहरण बनी हुई हैं। गीर न केवल वन्यजीवों का बेहतरीन आश्रय है, बल्कि गुजरात के काठियावाड क्षेत्र में सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का मुख्य केंद्र भी है।



गीर को अद्भूत बनाने वाली नदियाँ

गीर का क्षेत्र ऊँचे-नीचे ढलानों वाला और पहाड़ी है, जिसके किनारे पर समुद्री तट के मैदानी क्षेत्र स्थित हैं। गीर की समृद्ध जैव विविधता को बनाए रखने और इसकी प्राकृतिक सुंदरता को बढाने में नदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गीर में बहती नदियाँ क्षेत्र की पारिस्थितिक विविधता को आकार देने और कई जैविक रूपों को आश्रय प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं। हिरण, सरस्वती, धातरडी, शिंगोडा, शेत्रुंजी, मच्छुंदरी, घोडावडी, रावल, अरडक और भूवातीर्थ गीर की प्रमुख नदियाँ हैं। वन्यजीवों के अस्तित्व के लिए आवश्यक जल स्रोत प्रदान करने के अलावा, ये नदियाँ परिवर्तनशील भू-आकृतियों को जन्म देती हैं और विविध आवासों और वनस्पति संयोजनों का समर्थन करती हैं। ये नदियाँ गीर और उसके आसपास रहने वाले समुदायों के लिए जीवन रेखाएँ हैं। पर्यटकोको कई बार वन्यजीव इन नदियों के किनारे देखने मिल जाते हैं।



गीर क्षेत्र लगभग १,८८० वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है जिसमें गीर राष्ट्रीय उद्यान, गीर वन्यजीव अभयारण्य, पानिया वन्यजीव अभयारण्य, मितियाला वन्यजीव अभयारण्य और इनके आसपास के आरक्षित और संरक्षित वन क्षेत्र शामिल हैं। ये जूनागढ, गीर सोमनाथ और अमरेली जिलों में फैला हुआ हैं। एशियाई शेरों की सुरक्षा और संरक्षण के उद्देश्य से 18 सितंबर 1965 को गीर को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।

गीर तक सडक, रेल और हवाई मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है। सासन गांव गीर में जाने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार है और यहीं पर अधिकांश पर्यटक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह आसपास के शहरों, जैसे जूनागढ़ (60 किमी), वेरावल (४५ किमी) और राजकोट (१६० किमी), से सड़क और रेल के माध्यम से, आसानी से जुडा हुआ है।



हवाई मार्ग: गीर के सबसे नज़दीकी हवाई अड्डे केशोद (60 किमी) और दीव (१०० किमी) हैं । जबकि राजकोट (१६० किमी) और अहमदाबाद (३७० किमी) गुजरात के सबसे प्रमुख और कई शहरों से जुड़े हुए हवाई अड्डे हैं।



रेल मार्ग: सासन में पश्चिम रेलवे का एक रेलवे स्टेशन है, जो जुनागढ़ के रास्ते अहमदाबाद और राजकोट से जुड़ा हुआ है।



सड़क मार्ग: जूनागढ़ (६० किमी), वेरावल (४५ किमी) दोनों रेलवे स्टेशनों पर सासन के लिए टैक्सी और बस सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हैं। सासन के लिए कई सरकारी और प्राइवेट बसें कम अंतराल पर दिनभर चलती हैं। सडक मार्ग से सासन कई राज्य राजमार्गों से पहँचना संभव है।

गीर का नक्शा





DEVALIA SAFARI PARK



















इको-टूरिज़्म संपर्कः

- 🧿 वन क्षेत्र अधिकारी का कार्यालय, रिसेप्शन रेंज, सिंह सदन, सासन-गीर, जूनागढ़, गुजरात-362135
- 02877285621;
- gslcsgir@yahoo.com

कार्यालय संपर्कः

- 🤉 उप वन संरक्षक, वन्यजीव प्रभाग, सासन-गीर, जूनागढ़, गुजरात-362135
- 02877285541;
- dcfwildlife@gmail.com

आपके इस सफर को यादगार बनाने के लिए क्या करें और क्या ना करें

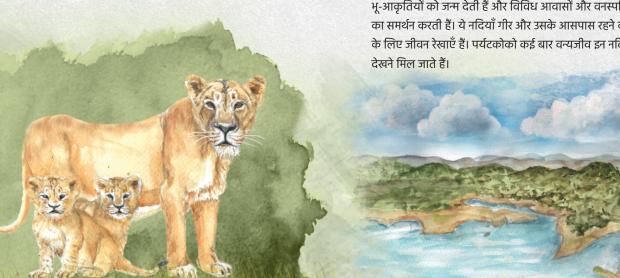
- 🗸 गुजरात वन विभाग की अधिकृत वेबसाइट (https://girlion.gujarat.gov.in) से वैध प्रवेश परमिट प्राप्त
- 🗸 प्रस्थान के समय से कम से कम १५ मिनट पहले रिसेप्शन सेंटर पर
- अधिकृत सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया वैध पहचान
- 🗸 वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

क्या करें

- ऐसे रंग के कपडे पहनें जो प्राकृतिक वातावरण से मेल खाते हों।
- धीरे-धीरे और सावधानी से गाडी चलाएँ। वन्यजीवों को जाने का
- निर्धारित मार्गों पर ही जाएँ और समय सीमा का पालन करें।
- वन्यजीवों को परेशान किए बिना अपनी यादें संजोएँ।
- 🗸 धार्मिक स्थलों और स्थानीय रीति-रिवाजों की पवित्रता का
- संरक्षित क्षेत्र के कानुनों, नियमों और विनियमों का पालन करें।
- भले ही आपको शेर और तेंदुए जैसा कोई वन्यजीव ना दिखे, लेकिन वनो की सुंदरता और विविध वन्य जीवन का आनंद लेने का रोमांच महसूस करें।

क्या ना करें

- × वन क्षेत्र में कुडा ना फैलाएं।
- × वन्यप्राणियो और पक्षियों को खाना ना खिलाएं।
- 🗙 पालतू जानवरों को लेकर ना आएं।
- 🗙 हॉर्न ना बजाएं।
- किसी भी वन्यजीव, वन्यजीवों के अवशेषों या वनस्पतियों को स्मृति चिन्ह के रूप में ना ले जाएं।
- 🗙 वन क्षेत्र में प्लास्टिक या प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ ले जाने पर प्रतिबन्ध है, ऐसी वस्तुएं साथ ना ले जाएं।
- × निर्दिष्ट क्षेत्रों में ही रहें; जहां प्रवेश करने पर प्रतिबन्ध हो वैसे क्षेत्र में प्रवेश ना करें।
- 🗙 वन क्षेत्र में वाहन से नीचे ना उतरें।
- 🗙 स्पॉटलाइट या सर्चलाइट का उपयोग ना करें।
- 🗙 वन्यजीवों को प्रकृलित और परेशान ना करें।
- 🗙 संगीत ना बजाएं। शांति से प्राकृतिक ध्वनियों का आनंद लें।
- 🗙 शराब का सेवन करने और धूम्रपान करने पर प्रतिबन्ध है।
- 🗙 संरक्षित क्षेत्रों के अंदर हथियार या विस्फोटक पदार्थ साथ ले जाने पर प्रतिबन्ध है।
- × खाद्य पदार्थ ना ले जाएँ।



इको-टूरिज़्म

इको-टूरिज़्म, वन और वन्यजीव संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और साथ ही स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देता है। गीर भारत के सबसे पुराने इको-टूरिज़्म स्थलों में से एक है। इसमें तीन प्रकार के आकर्षण हैं: गीर जंगल सफारी, गीर इंटरप्रिटेशन ज़ोन (देवलिया), और आंबरडी इंटरप्रिटेशन ज़ोन (धारी)। यहाँ प्रति वर्ष कई सैकड़ों पर्यटक आते हैं। अधिकांश इको-टूरिज़्म सुविधाएँ सासन गाँव में केंद्रित हैं, जिसमें बुकिंग केंद्र, शोवेनियर शॉप, अभिमुखीकरण केंद्र और सिंह सदन गेस्ट हाउस शामिल हैं।

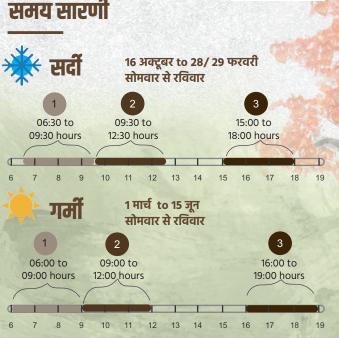
जंगल सफ़ारी



गीर जंगल सफ़ारी सासन गाँव में स्थित सिंह सदन से संचालित होती है। यह सफ़ारी मुलाक़ातीओं को गीर के समृद्ध वन्यजीवन को नज़दीक से देखने और इसके अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। यहां १३ अलग-अलग पर्यटन मार्ग हैं जो विभिन्न वन क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं। सफारी के दौरान गाइड द्वारा गीर, वन्यजीव और वन और वन्यजीव संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। पर्यटकों को आधिकारिक वेबसाइट से ही प्रवेश परमिट (सफारी परमिट) प्राप्त करना आवश्यक है। परमिट बुकिंग तीन महीने पहले खुलती है और यात्रा के निर्धारित समय से दो घंटे पहले बंद हो

सफारी बुकिंग और परिमट शुल्क के लिए, कृपय आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ-





नोटः गीर जंगल सफ़ारी हर साल १६ जून से १५ अक्टूबर तक बंद रहती है।

